श्याम सहारा | by Bulbul Agarwal

मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे साथी प्यारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मेरी नैया थी मझधार कर दी श्याम ने इसको पार
अब मैं इससे ज्यादा क्या कहूं
डूबे को किनारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

जब वक़्त बुरा था मेरा अपनों ने मुंह था फेरा
दर दर मैं भटका बाबा तब द्वार मिला था तेरा
जीने का गुज़ारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

कभी सोचा ना सेवा का ऐसा फल भी पाऊंगा
तेरे नाम के नारे बाबा सारी दुनिया में गाऊंगा
दरबार तुम्हारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

इस श्वेत श्याम जीवन को रंगीन बनाया तुमने
जीते जी इस धरती पे मुझे स्वर्ग दिखाया तुमने
जन्नत का नज़ारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

मुझे अपनी छाँव लेकर सारे दु:ख दर्द मिटाये
तुझ जैसा पालक पाकर सोनू दुनिया में इतराये
मुझे पालनहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-bulbul-agarwal/